मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MSKE–010

एम. ए. (संस्कृत)

(एम.ए.एस.के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.एस.के.ई.-010 : दर्शनशास्त्र : ब्रह्मसूत्र, योगसूत्र एवं न्यायसूत्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *भाग 'क' से किन्हीं **तीन** प्रश्नों तथा भाग 'ख' से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

भाग—क 3×20=60

1. प्रस्थानत्रयी क्या है? सविशद निरूपण कीजिए।
2. भेद सहित ख्याति का सविस्तार प्रतिपादन कीजिए।
3. योग दर्शन के स्वरूप एवं ऐतिह्य का विवेचन कीजिए।
4. योग सूत्र के अनुसार ईश्वर-प्राणिधान पर प्रकाश डालिए।

5. न्याय दर्शन के स्वरूप एवं ऐतिह्य का सविस्तार निरूपण कीजिए।

6. न्याय दर्शन के अनुसार चतुर्विध प्रमाणों का प्रतिपादन कीजिए।

भाग—ख $4 \times 10 = 40$

7. शंकराचार्य के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए।

8. अद्वैत वेदान्त के अनुसार माया के स्वरूप का प्रतिपादन कीजिए।

9. शास्त्रयोनित्वाधिकरण का प्रतिपाद्य निरूपित कीजिए।

10. विशिष्टाद्वैत वेदान्त के तत्त्वों का प्रतिपादन कीजिए।

11. अष्टाङ्ग योग के बहिरङ्ग साधनों का विवेचन कीजिए।

12. पातञ्जल योग सूत्र के अनुसार कैवल्य का निरूपण कीजिए।

13. न्याय दर्शन के अनुसार भेदपूर्वक संशय एवं सिद्धान्त पदार्थों की व्याख्या कीजिए।

14. न्याय दर्शन में प्रतिपादित शास्त्र प्रवृत्ति का प्रतिपादन कीजिए।

× × × × ×